जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

31 अक्टूबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के 103वें स्थापना दिवस का पाँच दिवसीय समारोह संपन्न

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के 103वें स्थापना दिवस का 5 दिवसीय समारोह आज एनसीसी कैडेट्स द्वारा 'जामिया ध्वज' को उतारने के साथ संपन्न हुआ। जामिया के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर इकबाल हुसैन समापन समारोह के मुख्द्वाय अतिथि थे। डॉ. एम. ए. अंसारी सभागार के प्रांगण में समापन समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए।

पांच - दिवसीय समारोह के दौरान छात्रों ने विभिन्न शैलियों में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया, जो किसी उत्सव से कम नहीं था। इस उत्सव के दौरान ज्ञान, रचनात्मकता और मनोरंजन का अनोखा संगम देखने को मिला। विश्वविद्यालय में उत्सव का माहौल था और पाँच दिवसीय भव्य कार्यक्रम में कला, संगीत, साहित्य, रंगमंच, कविता, अकादमिक और बहुत कुछ शामिल था।

वरिष्ठ अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को 'इम्तियाज-ए-जामिया' सम्मान प्रदान करना, विश्वविद्यालय के शताब्दी द्वार का उद्घाटन, एनसीसी कैडेटों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर, ललित कला और अन्य विभागों द्वारा विभिन्न कला कार्यों की प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय और स्कूल द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन छात्र उत्सव के कुछ प्रमुख आकर्षण थे।

फाइन आर्ट फैकल्टी ने जामिया के ऐतिहासिक संदर्भ को उजागर करने के लिए कार्यक्रम के रूप में कई कलात्मक गतिविधियों आयोजित की। लोक रूपांकनों के माध्यम से पर्यावरण डिजाइन, रचनात्मकता के लेंस के माध्यम से जामिया, जामिया की पुरातात्विक उत्कृष्टता के बीच एक फोटोग्राफी वॉक, रिक्लेमिंग प्रकृति, "रिलेक्सिंग विद नेचर" विषय पर प्रीस्कूल चेयर्स पर प्रतियोगिता जैसे विभिन्न सार्थक कार्यक्रमों का आयोजन करके ललित कला ने उत्सव सप्ताह को रोशन किया। 103 इल्युमिनेटिंग पोस्टकार्ड पेंटिंग (फेबर कैस्टेल द्वारा एक कार्यशाला), परिप्रेक्ष्य के साथ कला, "इनोवेशन इन एजुकेशन" पर अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ के माध्यम से स्थापना की एक प्रतियोगिता, वैकुंठ आभा द्वारा कठपुतली के माध्यम से कथा वाचन, कठपुतलियां बनाने और कहानी कहने की कला पर एक कार्यशाला, जुनूट-ए-कैलिग्राफी, सुलेख पर कार्यशाला का समापन 30 अक्टूबर को एमएफ हुसैन आर्ट गैलरी के प्रदर्शनी हॉल और उसके मैदान में हुआ।

सोशल कमेन्ट्री के एक शक्तिशाली प्रदर्शन में, समाज कार्य विभाग के छात्रों ने 'एकाउंटेबिलिटी' विषय पर आधारित "कलयुग की नगरी" नामक विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक के साथ जीवंत प्रदर्शन किया। नाटक मास्टर ऑफ सोशल वर्क की छात्रा अमीषा और नेहा द्वारा लिखा गया था। यह नाटक आधुनिक समाज के स्याह पहलुओं पर प्रकाश डालता है, एक ऐसे समाज का चित्रण करता है जो अपनी नैतिक दिशा खो चुका है। यह स्क्रिप्ट तेजी से बदलती दुनिया में व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों का एक मार्मिक अन्वेषण थी, जहां लालच, भ्रष्टाचार और नैतिक पतन बहुत अधिक प्रचलित हो गए हैं।

मनोविज्ञान विभाग ने कई दिलचस्प गतिविधियों के साथ एक जीवंत कार्यक्रम का आयोजन किया। विभाग के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सफेद और लाल रंग कोड का पालन किया और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। इन गतिविधियों में प्रो बोनो काउंसलिंग भी शामिल है, जहां छात्रों के तनाव के

स्तर, जीवन संतुष्टि, क्रोध प्रबंधन, कृतज्ञता और मानसिक स्वास्थ्य को मापने के लिए नि:शुल्क मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाता है, जिससे परीक्षार्थियों को अपने मानसिक स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने की जानकारी मिलती है।

भूगोल विभाग ने 30 अक्टूबर, 2023 को "जलवायु परिवर्तन: अनुकूलन और शमन" पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। भूगोल विभाग के प्रमुख प्रोफेसर हारून सज्जाद ने अतिथि का स्वागत किया और जामिया के विकास में संस्थापकों के योगदान पर प्रकाश डाला। जलवायु परिवर्तन अध्ययन के प्रसिद्ध विशेषज्ञ, स्कूल ऑफ एनवायर्नमेंटल स्टडीज, जेएनयू के प्रोफेसर पी.के. जोशी समारोह के मुख्य अतिथि थे। दूसरे सत्र में पाँच विद्यार्थियों ने सेमिनार विषय पर अपने पेपर प्रस्तुत किये। तीसरे तकनीकी सत्र का उत्तरदायित्व दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बी.डब्ल्यू. पांडे ने संभाला।सत्र की अध्यक्षता जामिया की पूर्व प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर तसनीम फातिमा ने की। 31 अक्टूबर को विभाग ने "नीति निर्माण में व्यावहारिकता: देश के विकास में भूगोल की आवश्यकता" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया की एक सदी से भी अधिक की विरासत और उसके योगदान विषय पर एक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

इंडिया अरब कल्चरल सेंटर ने "भारत और मध्य एशिया की इस्लामी वास्तुकला" पर एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया, जहां केंद्र के मानद निदेशक प्रोफेसर नासिर रजा खान द्वारा ली गई तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी का उद्घाटन जामिया के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के पूर्व निदेशक प्रो. एस. एम अजीजुद्दीन हुसैन ने किया। उत्सव के अंतिम दिन केंद्र द्वारा "राष्ट्र निर्माण में मुस्लिम युवाओं की भूमिका" विषय पर उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी में एक वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

संस्कृत विभाग ने २७ और ३० अक्टूबर को विशेष व्याख्यान के अलावा कई और कार्यक्रम आयोजित किये ।

जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने "सोशल मीडिया युवाओं के जीवन को नकारात्मक तरीके से प्रभावित कर रहा है" विषय पर एक अंग्रेजी बहस का आयोजन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुल सात विद्यालयों ने भाग लिया. प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और तर्क के साथ अपनी बात रखी। प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए हिंदी वाद-विवाद का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने "छात्रों द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग और इसके प्रभाव" विषय पर बात की। छात्रों ने वाक्पटुता के साथ बात की और मानव व्यवहार का गहन ज्ञान प्रस्तुत किया और बताया कि मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से यह कैसे प्रभावित होता है। जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा छात्रों के बीच वैज्ञानिक जागरूकता पैदा करने के लिए अपने परिसर में एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी बहुत शिक्षाप्रद थी और निश्चित रूप से बड़ी सफल रही। स्कूली छात्रों के बीच पाई जाने वाली भाषाई विविधता को प्रदर्शित करने के लिए बहुभाषी कविता सम्मेलन में उत्सव के आखिरी दिन मुशीर फातिमा नर्सरी स्कूल, जामिया मिडिल स्कूल और जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रतिभागियों द्वारा 15 अलग-अलग भाषाओं में कविताएँ पढ़ी गईं। अंतिम दिन गजल सराइ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस समारोह ने जामिया की स्थायी विरासत और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने, रिसर्च एक्सीलेंस को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर समुदाय की सेवा करने की अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण प्रस्तुत किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया